श्री राम सजीवन (बांदा): अध्यक्ष महोदय, मैं अविलंबनीय लोक महत्व का प्रश्न सदन में उठाना चाहता हूं। वह प्रश्न दूध का नहीं है और वह केवल एक समस्या नहीं है बल्कि प्रमुख समस्या है और वह पेयजल की उपलब्धता है, जिसकी ओर पूरे सदन का और सरकार का ध्यान जाना जरूरी है। देश के कई भागों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के बुन्देलखंड रीजन में बान्दा और चित्रकूट जिलों में पीने के पानी का भीाण अभाव हो गया है और सरकार ने जितने हैंडपम्प और पेयजल योजनाएं हैं, उनको लगाना बन्द कर दिया है। जिला प्रशासन कहता है कि हमारे पास पैसा नहीं है, राज्य सरकार पैसा नहीं दे रही है। इसलिए पेयजल समस्या गर्मी आने पर और भी विकराल रूप धारण कर लेगी और जब हम यहां केन्द्र सरकार का बजट देखते हैं तो पाते हैं कि बजट में भी जो पेयजल की व्यवस्था करने के लिए धनराशि है, उसमें इस वर्ा पिछले वर्ा के मुकाबले में कम धन की व्यवस्था की गई है। जब अभी से पेयजल की वहां यह हालत है और भीाण स्थिति है, तो गर्मियों में तो स्थिति भीाणतम हो जाएगी।

अध्यक्ष महोदय, वहां पथरीला इलाका है। कुएं नहीं खोदे जा सकते हैं। नदी-नालों में पानी सूख चुका है। हैंडपम्प भी सूख चुके हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करना चहता हूं कि बुन्देलखंड रीजन के बान्दा और चित्रकूट जिलों की पेयजल समस्या के समाधान के लिए शीघ्रतिशीघ्र कार्रवाई की जाए और उसे हल किया जाए।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी(खजुराहो): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य राम सजीवन की भावनाओं के साथ मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं और कहना चाहता हूं कि संपूर्ण बुन्देलखंड में पेयजल की भयंकर समस्या है। उसका निदान तुरन्त किया जाए।